

अंकुर
प्राण
दिनशा जी! क्या आपने मुझे बुलवाया था?
हां, अंकुर!
मुझे एक कुत्ता चाहिए. क्या तुम एक अच्छा कुत्ता ला सकोगे?
क्यों नहीं?
मैं अभी आया.
लीजिए, मखमली बालों वाली प्यारी सी कुतिया. नाम है, राजकुमारी.
उम्मीद है राजकुमारी दिनशा जी का दिल बहलाती रहेगी.


राजकुमारी न सही, राजा ही सही ।
दिनशा जी ! यह कुत्ता आपको जरूर पसन्द आएगा.
सचमुच राजा बहुत सभ्य कुत्ता है. जमीन पर बैठता है .
हू-हू-आ-ऊ-ऊ...
अंकुर ! सम्भालो इसे. यह तो उससे भी बड़ी मुसीबत है, अजीब-अजीब आवाजें कर के रोता है.
यह कुत्ता पहले एक संगीतकार के पास था. वहां रहता हुआ कुछ सुर सीख गया. अगर ठुमरी और दादरा आपकी समझ में न आए तो राजा का क्या कसूर?



राजकुमारी गई, राजा भी. कोई और लाना है.
हां, कोई ऐसा लाना जो घर की रखवाली कर सके और चोर-उचक्कों को घर में न घुसने दे.
दिनशा जी, लीजिए। जैसा आप चाहते थे, इस बार वैसा ही लाया हूं. इसक नाम है रुस्तम.
मैंने रुस्तम को दरवाजे पर बांध दिया है.
अब कोई घर में नहीं घुस सकता.
अंकुर, रुको!
अब क्या मुसीबत है?
गुर्ररर
यह रुस्तम घर में मुझे भी नहीं घुसने दे रहा.
© PRAN'S FEATURES


अब आराम से सोफे पर बैठ कर अखबार पढ़ लिया जाए .
अरे! यह तुम्हारे बैठने की जगह नहीं है, सुना नहीं?... अजीब मुसीबत मोल ले ली!
अंकुर, रुको! राजकुमारी को रखना मेरे लिए संभव नहीं.
यह आराम से सोफे पर बैठती है और मुझे जमीन पर बैठ कर अखबार पढ़ना पड़ता है.
घबराइए नहीं, मैं आपको दूसरा कुत्ता ला कर दूंगा.